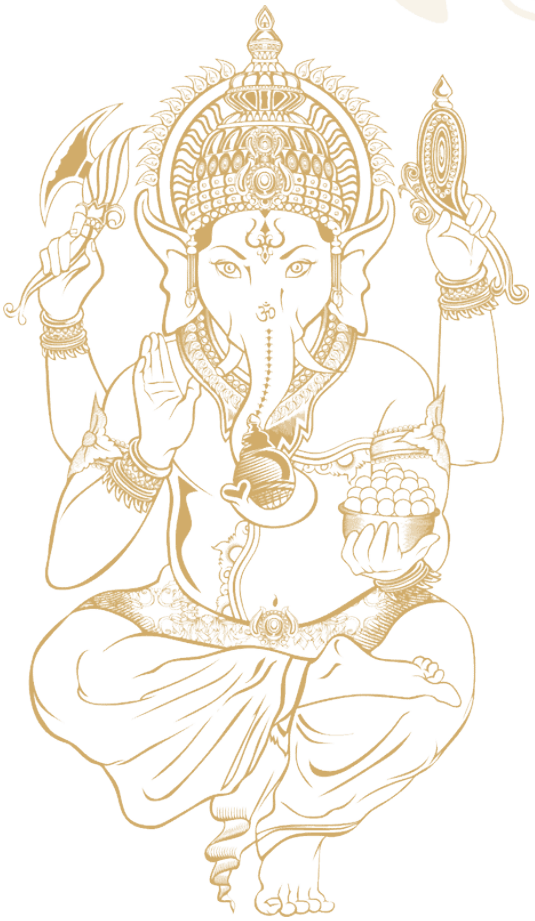

Kuldeep Neeta

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121055601

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121055601 Date: 26/01/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
14/11/2000	जन्म तिथि	27/11/2000
मंगलवार	दिन	सोमवार
घंटे 21:59:00	जन्म समय	11:15:00 घंटे
घटी 37:46:52	जन्म समय(घटी)	10:33:08 घटी
India	देश	India
Sojat Road	स्थान	Sojat River
25:48:00 उत्तर	अक्षांश	25:53:00 उत्तर
73:49:00 पूर्व	रेखांश	73:45:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:34:44	स्थानिक संस्कार	-00:35:00 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:52:15	सूर्योदय	07:02:10
17:46:08	सूर्यास्त	17:43:16
23:51:51	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:53

कर्क	लग्न	मकर
चन्द्र	लग्न लग्नाधिपति	शनि
मिथुन	राशि	वृश्चिक
बुध	राशि-स्वामी	मंगल
मृगशिरा	नक्षत्र	ज्येष्ठा
मंगल	नक्षत्र स्वामी	बुध
4	चरण	3
सिद्ध	योग	धृति
बव	करण	बालव
की-किशोर	जन्म नामाक्षर	यी-यीशा
वृश्चिक	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु
शूद्र	वर्ण	विप्र
मानव	वश्य	कीटक
सर्प	योनि	मृग
देव	गण	राक्षस
मध्य	नाड़ी	आद्य
मार्जार	वर्ग	मृग

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 0वर्ष 2मा 25दि	00:14:38	कर्क	लग्न	मक	10:32:45	बुध 5वर्ष 2मा 22दि
गुरु	28:44:41	तुला	सूर्य	वृश्चि	11:25:21	शुक्र
09/02/2019	06:13:01	मिथु	चंद्र	वृश्चि	25:53:57	18/02/2013
09/02/2035	12:39:08	कन्या	मंगल	कन्या	20:18:41	18/02/2033
गुरु 29/03/2021	09:33:17	तुला	बुध	तुला	26:03:10	शुक्र 20/06/2016
शनि 11/10/2023	14:04:36	वृष व	गुरु व	वृष	12:24:08	सूर्य 20/06/2017
बुध 16/01/2026	08:02:49	धनु	शुक्र	धनु	23:01:18	चन्द्र 19/02/2019
केतु 22/12/2026	04:01:13	वृष व	शनि व	वृष	02:59:59	मंगल 20/04/2020
शुक्र 22/08/2029	22:55:30	मिथु व	राहु व	मिथु	22:07:35	राहु 21/04/2023
सूर्य 11/06/2030	22:55:30	धनु व	केतु व	धनु	22:07:35	गुरु 20/12/2025
चन्द्र 11/10/2031	23:11:09	मक	हर्ष	मक	23:27:10	शनि 18/02/2029
मंगल 16/09/2032	10:10:46	मक	नेप	मक	10:25:41	बुध 20/12/2031
राहु 09/02/2035	18:06:43	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	18:35:12	केतु 18/02/2033

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:51:51 चित्रपक्षीय अयनांश 23:51:53

लग्न-चलित

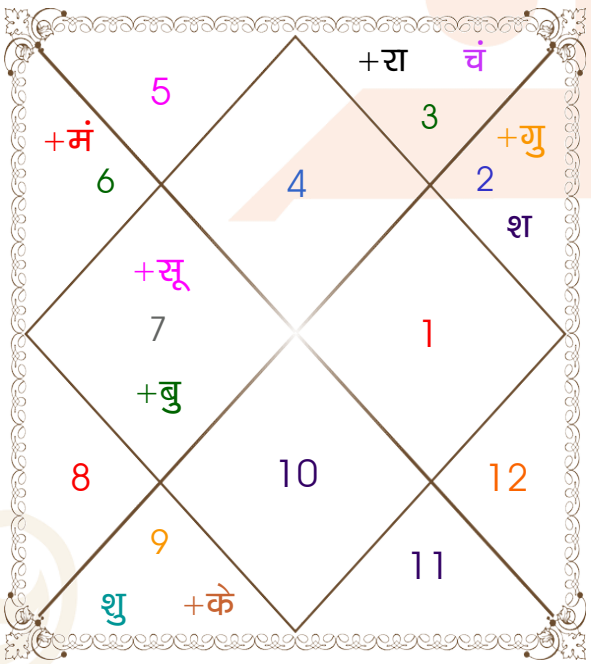

लग्न-चलित

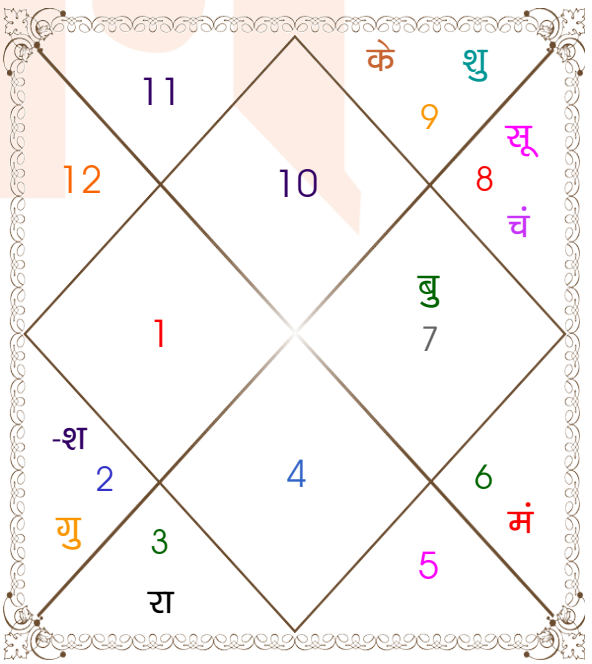

Gayatri jyotish karyalaya
Sojat Road, Rajasthan 306103, India
9799364202, 9929276521
rakeshvyas1988@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सर्प	मृग	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	वृश्चिक	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	14.00		

कुल : **14 / 36**

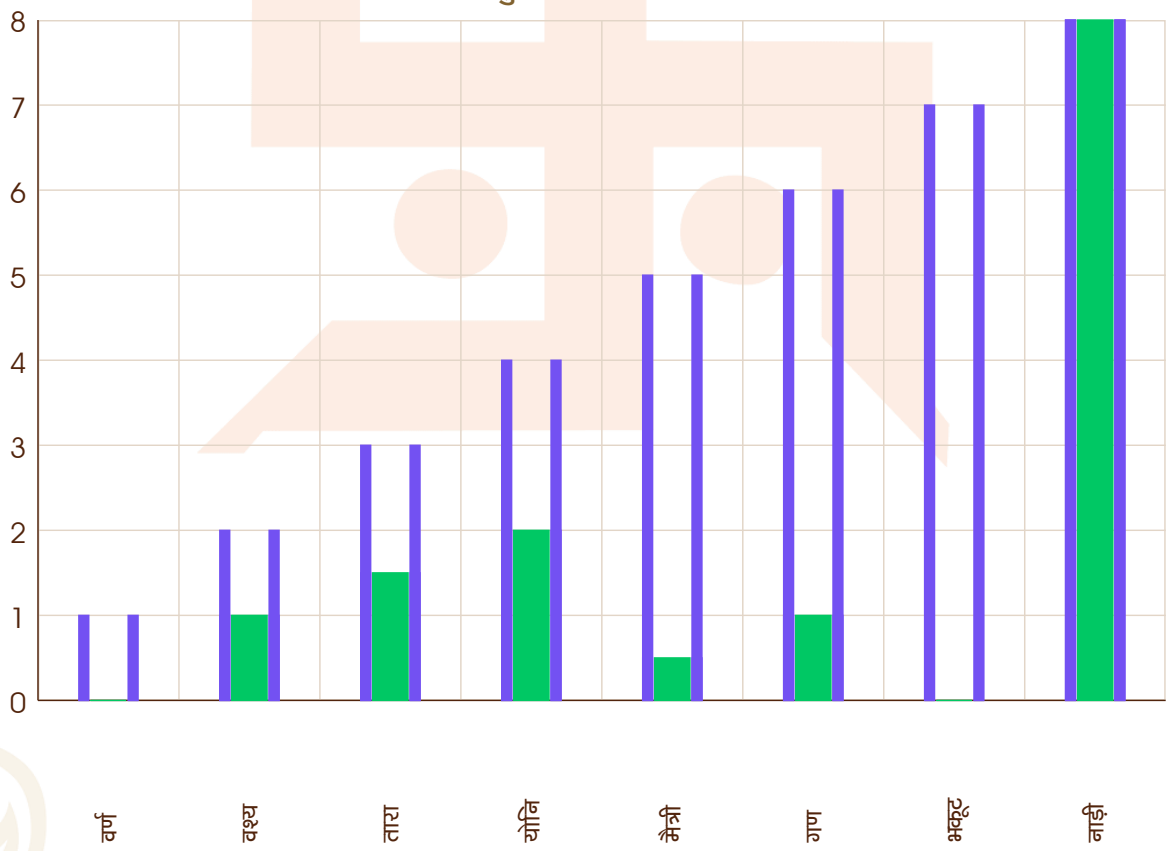

Gayatri jyotish karyalaya
Sojat Road, Rajasthan 306103, India
9799364202, 9929276521
rakeshvyas1988@gmail.com

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

ज्ञनसकममच का वर्ग मार्जार है तथा छममजं का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ज्ञनसकममच और छममजं का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

ज्ञनसकममच मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

छममजं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

ज्ञनसकममच तथा छममजं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

ज्ञनसकममच का वर्ण शूद्र है तथा छममजं का वर्ण ब्राह्मण है। क्योंकि छममजं का वर्ण ज्ञनसकममच के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण दोनों के बीच हमेशा अहं का टकराव होगा। छममजं हमेशा श्रेष्ठता मनोग्रंथि से ग्रसित रहेगी तथा हमेशा स्वयं को पति से अधिक होशियार समझती रहेगी। कन्या की यही श्रेष्ठता का स्व अहसास उसके पति एवं बच्चों के विकास को बाधित कर रहेगा। साथ ही ज्ञनसकममच के अन्दर हीन भावना घर कर जायेगी।

वश्य

ज्ञनसकममच का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं छममजं का वश्य कीट है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। फलस्वरूप ज्ञनसकममच एवं छममजं दोनों के बीच हितों का टकराव होता रहेगा साथ ही दोनों के बीच आपसी सहयोग, समझ एवं सामंजस्य का पूर्णतः अभाव बना रहेगा। कभी-कभी दोनों एक-दूसरे के शत्रु भी बन सकते हैं जिससे प्रगति एवं समृद्धि बाधित होती है। दोनों के बीच घमासान चलता रहेगा तथा तनाव एवं संदेह का माहौल कायम हो सकता है।

तारा

ज्ञनसकममच की तारा साधक तथा छममजं की तारा प्रत्यरि है। छममजं की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। संभाव है कि यह विवाह ज्ञनसकममच एवं उसके परिवार के लिए हानिकारक साबित हो। छममजं का स्वभाव बिल्कुल लापरवाह, स्वार्थी एवं असहयोग की भावना वाली हो सकती है तथा भविष्य मे अपने स्वार्थ की पूर्ति करने में ही लगी रह सकती है। साथ ही छममजं के अवैध संबंध तक भी हो सकते हैं जिसके फलस्वरूप पति, बच्चों एवं संपूर्ण परिवार को काफी कष्ट एवं पीड़ा का सामना कर पड़ सकता है। ज्ञनसकममच अत्यधिक आध्यात्मिक हो सकता है तथा अपना अधिकांश समय आध्यात्मिक गतिविधियों में ही व्यतीत करता रहेगा।

योनि

ज्ञनसकममच की योनि सर्प है तथा छममजं की योनि मृग है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध

संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में ज्ञनसकममच का राशि स्वामी छममजं के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि छममजं का राशि स्वामी ज्ञनसकममच के राशि स्वामी के साथ शत्रु का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए सम किंतु दूसरा उसे शत्रु मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

ज्ञनसकममच का गण देव तथा छममजं का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ऐसी परिस्थिति में छममजं निर्दयी, निष्ठुर एवं क्रूर स्वभाव की हो सकती हैं जो वर, उसके बच्चों तथा परिवार के सदस्यों के लिए बुरा एवं घातक साबित हो सकता है। ऐसी पत्नी से अपेक्षा नहीं की जा सकती कि वह अपने पति, परिवार अथवा सामाजिक दायित्वों का अच्छी प्रकार से निर्वहन करेंगी। छममजं की अक्सर दूसरों से लड़ाई-झगड़ा करना एवं लोगों को उकसाना इसी प्रकार की आदत होगी।

भकूट

ज्ञनसकममच से छममजं की राशि षष्ठम भाव में स्थित है तथा छममजं से ज्ञनसकममच की राशि अष्टम भाव में स्थित है। जिसके कारण यह मिलान बिल्कुल अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें षडाष्टक दोष लग रहा है। जिसके कारण ज्ञनसकममच लाइलाज बीमारी से ग्रस्त हो सकते हैं तथा अक्सर उनके जलने अथवा दुर्घटनाग्रस्त होने की संभावना

बनी रहेगी। छममजं को स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती हैं तथा परिवार के सदस्यों से वैमनस्य होने की संभावना भी रहेगी। पति-पत्नी के बीच वैचारिक मतभेद रह सकते हैं तथा अक्सर लड़ाई-झगड़े होते रहेंगे। दोनों के बीच तनावपूर्ण स्थिति पूरे परिवार के लिए समस्या एवं पीड़ा बन जायेगी। मुकदमेबाजी होने से अलगाव एवं तलाक की संभावना भी रहेगी।

नाड़ी

ज्ञनसकममच की नाड़ी मध्य है तथा छममजं की नाड़ी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का समन्वय अति उत्तम होता है क्योंकि यह जीवनी शक्ति को संतुलित करता है। तीनों जीवनी शक्तियों वात, पित्त एवं कफ का संतुलन जीवन के अस्तित्व के लिए आवश्यक है। अतः आपकी संतान उत्तम स्वास्थ्य, जनन क्षमता एवं स्वस्थ तथा बुद्धिमान संतान होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

ज्ञनसकममच की जन्मराशि वायुतत्व युक्त मिथुन तथा छममजं की राशि जलतत्व युक्त वृश्चिक है। नैसर्गिक रूप से वायु एवं जलतत्व में शत्रुता तथा असमानता का भाव रहता है। अतः ज्ञनसकममच और छममजं के मध्य स्वभावगत असमानता रहेगी तथा आपसी मतभेद एवं विवाद उत्पन होंगे जिससे दाम्पत्य जीवन के सुख में न्यूनता रहेगी। अतः मिलान अच्छा नहीं रहेगा।

ज्ञनसकममच की राशि का स्वामी बुध तथा छममजं की राशि का स्वामी मंगल परस्पर शत्रु एवं सम है। अतः सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए यह स्थिति सुखद नहीं कहीं जा सकती है। ऐसी स्थिति में ज्ञनसकममच और छममजं एक दूसरे के गुणों की अपेक्षा दोषों पर अधिक ध्यान देंगे जिससे संबधों की कटुता में वृद्धि होगी। अतः यदि किंचित बुद्धिमता पूर्वक स्थितियों का ज्ञनसकममच और छममजं अवलोकन करें तो उपरोक्त अशुभ प्रभावों में न्यूनता हो सकती है।

ज्ञनसकममच और छममजं की जन्म राशियां परस्पर षडाष्टक योग बनाती हैं। यह शास्त्रानुसार प्रबल भकूट दोष होता है। इसके प्रभाव से ज्ञनसकममच और छममजं के मध्य मतभेदों में प्रबलता होगी तथा समय समय पर विवाद आदि होते रहेंगे यहां तक कि आपस में बदले की भावनाओं का भी प्रादुर्भाव हो सकता है जिससे प्रेम संबधों की मधुरता में कटुता का भाव रहेगा तथा साथ रहने के अवसर न्यून हो जाएंगे।

ज्ञनसकममच का वश्य मानव तथा छममजं का वश्य कीट है। कीट तथा मानव में नैसर्गिक असमानता तथा शत्रुता होती है। अतः ज्ञनसकममच और छममजं की अभिरूचियों में असमानता रहेगी। साथ ही मानसिक भावनात्मक एवं शारीरिक आवश्यकताओं में अंतर भी विद्य मान रहेगा फलतः दाम्पत्य जीवन में एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रखने में असमर्थ रहेंगे।

ज्ञनसकममच का वर्ण शूद्र तथा छममजं का वर्ण ब्राहमण है। अतः दोनों की कार्य क्षमताओं में भी असमानता रहेगी। ज्ञनसकममच किसी भी कार्य को परिश्रम एवं गंभीरता से करने के लिए तत्पर रहेंगे परन्तु छममजं केवल शैक्षणिक क्षेत्र, शास्त्रीय तथा धार्मिक कार्य कलापों को करने की इच्छा रहेगी। अतः ज्ञनसकममच और छममजं के कार्य क्षेत्र में भी असमानता रहेगी जिससे दाम्पत्य जीवन में सुख का अभाव रहेगा।

धन

ज्ञनसकममच और छममजं दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार

उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

ज्ञनसकममच की नाड़ी मध्य तथा छममजं की नाड़ी आद्य है। अतः दोनों का जन्म अलग अलग नाड़ियों में होने के कारण यह मिलान उत्तम रहेगा। इसके शुभ प्रभाव से अपने सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को यथा समय सम्पन्न करने में वे समर्थ होंगे जिससे दाम्पत्य जीवन की खुशहाली तथा सन्तुष्टि बनी रहेगी तथा समय भी सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा। साथ ही मंगल का भी किसी के स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं है। अतः दोनों स्वस्थ तथा प्रसन्नचित रहकर अपना जीवन व्यतीत करने में सफल होंगे।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से ज्ञनसकममच और छममजं का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त ज्ञनसकममच और छममजं के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में छममजं के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन छममजं को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में छममजं को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से ज्ञनसकममच और छममजं सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार ज्ञनसकममच और छममजं का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

छममजं के सास से संबधों में मधुरता के भाव की सामान्यतया न्यूनता ही रहेगी तथा अपनी सास के साथ सामंजस्य स्थापित करने में उनको काफी कठिनाई तथा असुविधा का सामना करना पड़ेगा। अतः उनसे संबधों में मधुरता लाने के लिए छममजं को धैर्य तथा

बुद्धिमता का परिचय देना चाहिए तथा अपने समस्त कार्य कलापों को सक्रियता से सम्पन्न करना चाहिए।

साथ ही ससुर से भी छममजं को समय समय पर समस्याएं उत्पन्न होगी तथा उन्हें प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में उन्हें कठिनाई का सामना करना पड़ेगा। ननद एवं देवरों से भी छममजं के संबधों में तनाव का भाव रहेगा तथा एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सहानुभूति के भाव में न्यूनता रहेगी फलतः परस्पर प्रतिद्वन्दिता एवं आलोचना का भाव रहेगा।

इस प्रकार छममजं का ससुराल के लोगों से अच्छे संबध नहीं रहेंगे जिससे यदा कदा वे असुविधा की अनुभूति कर सकती हैं।

ससुराल-श्री

ज्ञनसकममच के अपनी सास से मधुर संबंध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास को ज्ञनसकममच अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भी ज्ञनसकममच के संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबंधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबंध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण ज्ञनसकममच के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।